राजस्य विभाग युद्ध जागीर पुरस्कार दिनांक 18 ज्न, 1992

कमांक 920-ज-2-92/13459.- श्रं। उमराव सिंह पूल श्री मामन सिंह, निवासी गाँव टूमना, तहसील झझर, जा रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनयम, 1948 की घारा 2(ए) (ए) तथा 3(ए) के श्रधान सरकार श्रधिसूचना कमांक 2680-आर-4-67/1976, दिनांक 16 जून, 1967 द्वारा 100 रुपये वीधिक श्रीर बाद में धिसूचना कमांक 5041-अ(र-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद अधिसूचना मांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अनत्वर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वाधिक की दर जागीर संजूर की गई थी।

2. ग्रब श्री उमराव सिंह की दिनांक 4 अक्तूबर, 1989 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भौर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री उमराव सिंह की विधवा श्रीमित भोगड़ी के नाम खरीफ 1990 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत तबदील करने हैं।

कमांक 1109-ज-2-92/13463.—श्री बुद्धराम पुत्र श्री जयराम निवासी गांव पाल्हावास, तहसील रिवाड़ी जिला महेन्द्रगढ़ श्रव रिवाड़ी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के श्रधीन सरकार की श्रधिसूचना कमांक 2389-र-III-69/16451, दिनांक 2 जुलाई, 1989 द्वारा 100 रुपये वाषिक श्रीर बाद में श्रधिसूचना कमांक 5041-श्रार-3-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये श्रीर उसके बाद श्रिधसूचना कमांक 1789 ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रकतृबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वापिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रव श्री बृद्धराम की दिनांक 17 मार्च 1989 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरुप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रिवित्यम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भ्रपनाया गया है ग्रीर उस में आज तक संशोधन किया गया है) भी धारा 4 के भ्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री बृद्धराम की विधवा श्रीमित राम कीर के नाम खरीक, 1989 से 300 रुपये वाधिक की दर से सगद में दी गई शर्तों के ग्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

कमांक 713-3-2-92/13467.—श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री राम नारायण सिंह, निवासी गांव वाषोड़। तहसील व जिला भिवानी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार भशिनियम, 1948 की धारा 2(0), (10) तथा 3(10) के अधीन सरकार की श्रिधसचना क्रमांक 977 ज $\cdot 2 \cdot 83/26340$, दिनांक 17 ग्रंगस्त, 1983 द्वारा 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. प्रव श्री चन्द्र मिह की दिनांक 25 फरवरी, 1990 को हुई मृत्यू के परिणामस्वरुप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त प्रधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री चन्द्र सिंह की विधवा श्रीमित छत्तरवाई के नाम खरीफ 1990 से 300 रुपये वाजिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगंत तबदील करने हैं।

क्रमांक 648-ज-2-92/13471. — श्रं माथा सिंह, पुत्र श्री लाभ सिंह, निवासी गांव ब्राहमण माजरा तहसील नारायणगढ़, जिला ग्रम्बाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम 1948 की धारा 2 ए (1) तथा 3 (1) ए) के स्विश्ति सरकार की ग्रिधिस्चना क्रमांक 11820-जे एन-III-65/10515, दिनांक 13 दिसम्बर, 1965 हारा 100 रुपये वालिक भीर बाद में ग्रिधिस्चना क्रमांक 5041-ग्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये भीर उसके बाद ग्रिधिस्चना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 भक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वालिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रब भी भाषा सिंह की दिनांक 13 सितम्बर, 1990 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त प्रधिनिथम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रधीन प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री माया सिंह की विधवा श्रीमिति धर्म कीर के नाम रवी 1991 से 300 हपये वाधिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के ग्रन्तगंत सबदील करते हैं।

एस० डी० महेन्द्र, ग्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।